



हिमालय से समुद्र तक एक यात्रा

गंगा के किनारे प्रार्थना के 7 दिन

एक बड़ा संसार, 110 Cities, और एक अद्भुत यात्रा
हिंदू लोगों के लिए प्रार्थना की

2-8 नवंबर, 2026





विषय-सूची



हिंदू धर्म क्या है:

नदी और उपहार की कहानी

03



रास्ते के लोग और जगहें

110 Cities जहाँ सुसमाचार अभी तक नहीं पहुँचा

04



2BC - 2 अरब बच्चों तक सुसमाचार पहुँचाना

05



नक्शा और कई कहानियों वाली नदी

06-07



दिन 1: हिमालय, कैलाश पर्वत, काठमांडू

08-09



दिन 2: हरिद्वार और ऋषिकेश

10-11



दिन 3: अयोध्या और इलाहाबाद/प्रयागराज

12-13



दिन 4: वाराणसी

14-15



दिन 5: पटना और कोलकाता

16-17



दिन 6: संसार भर के समुदाय

प्रवासी/BAPS/योग/गुजराती/दिवाली

18-19



दिन 7: नदी समुद्र तक पहुँचती है

20-21



प्रार्थना के 5 वैश्विक दिन 2027

22



परमेश्वर के वचन से प्रार्थना - YouVersion ऐप

23



2BC - और जानकारी

24-26

प्रकाशितवाक्य 21:6 “मैं प्यासे को जीवन के जल के सोते में से सेंट-मेंत पिलाऊँगा।”

हिंदू धर्म क्या है?

हम आपको इस सप्ताह यीशु के साथ हमारी यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण देते हैं। हम गंगा नदी के किनारे के मुख्य शहरों में जाएँगे और लाखों लोगों को जीवन के जल के सोते और जगत की ज्योति को जानने और उसके पीछे चलने के लिए बुलाएँगे। दूसरों को समझने और सच्चे मन से उनके लिए प्रार्थना करने के लिए, पहले हमें उनके संसार में कदम रखना होगा। यह जानना अच्छा है कि वे कहाँ से आते हैं, उनके रोज़ के जीवन को क्या आकार देता है, वे किस बात को महत्व देते हैं, और वे परमेश्वर, आराधना और प्रार्थना को कैसे समझते हैं। इसीलिए हम यहीं से शुरू करते हैं: उनके संसार में कदम रखने, नम्रता से सुनने और सीखने, और प्रार्थना करने की गहरी समझ के साथ उन्हें पिता के सामने लाने के लिए।

नदी और उपहार

माया दादाजी के पास बैठी थी और उनके बीच उसका नक्शा खुला था। एक नीली रेखा पहाड़ों से, बड़े-बड़े शहरों से होती हुई, पन्ने पर नीचे समुद्र तक घूमती जा रही थी।

“दादाजी,” माया ने पूछा, “हम इस नदी के किनारे के लोगों के लिए प्रार्थना क्यों कर रहे हैं?”

दादाजी ने अपनी उँगली से नीली रेखा पर चलाया। “क्योंकि इस नक्शे का हर बिंदु ऐसे लोगों से भरा है जिन्हें परमेश्वर जानता है और प्रेम करता है। स्कूल जाते बच्चे, काम पर जाते माता-पिता, कहानियाँ सुनाते दादा-दादी, दुकानदार, विद्यार्थी, कलाकार, और परिवार।”

“पर उनमें से बहुत से लोग हिंदू हैं?” माया ने पूछा।

“हाँ,” दादाजी ने कहा। “हिंदू धर्म केवल कुछ सीधे-सादे विश्वासों का समूह नहीं है। यह परंपराओं का एक बड़ा परिवार है। हिंदू लोग अलग-अलग त्योहार मना सकते हैं, अलग-अलग पवित्र कहानियाँ पढ़ सकते हैं, अलग-अलग तरीकों से प्रार्थना कर सकते हैं, या अलग-अलग देवी-देवताओं को खास आदर दे सकते हैं। बहुत से लोग मानते हैं कि इंसान के काम, जिन्हें कर्म कहते हैं, एक चक्र बनाते हैं, जिसमें वे मेहनत करके बाहर निकलने का बेहतर रास्ता कमाने की कोशिश करते हैं। बहुत से लोग आशा करते हैं कि एक दिन वे इस चक्र से छूट जाएँगे; इस छुटकारे को मोक्ष कहते हैं।”

माया कुछ देर चुप रही। “तो फिर यीशु का सुसमाचार इतना ज़रूरी क्यों है?”

दादाजी मुस्कुराए। “मसीही लोग मानते हैं कि हमें अपनी मेहनत से चढ़कर परमेश्वर तक नहीं पहुँचना पड़ता। परमेश्वर पहले हमारे पास आया। यीशु यह दिखाने आया कि परमेश्वर कैसा है, हमारे पाप और शर्म को उठाने आया, और क्षमा को उपहार के रूप में देने आया।”

“उपहार?” माया ने पूछा।

“हाँ, उपहार,” दादाजी ने कहा। “ऐसी चीज़ नहीं जिसे हम बहुत अच्छे बनकर कमाते हैं। यीशु अनुग्रह देता है। अनुग्रह परमेश्वर की प्रेम भरी दया है, जिसके हम योग्य नहीं हैं और जिसे हम खरीद नहीं सकते। मसीही मानते हैं कि यीशु मरा और फिर जी उठा, ताकि जो कोई उस पर भरोसा करे उसे क्षमा मिले, वह परमेश्वर को निजी रूप से जाने, और अनन्त जीवन पाए।”

“तो जब हम प्रार्थना करते हैं,” उसने धीरे से कहा, “तो हम इसलिए प्रार्थना नहीं करते कि हम अपने आप को किसी और से अच्छा समझते हैं।”

“बिल्कुल सही,” दादाजी ने कहा। “हम इसलिए प्रार्थना करते हैं क्योंकि यीशु लोगों से प्रेम करता है। हम प्रार्थना करते हैं कि परिवारों को उसकी कहानी साफ़-साफ़ सुनने का मौका मिले, कि मसीही लोग नम्रता और दया से जीएँ, और हर व्यक्ति सवाल पूछने और अपने लिए फैसला करने के लिए स्वतंत्र हो।”

माया ने नदी के किनारे एक उपहार का चित्र बनाया और अपने पन्ने के नीचे एक वाक्य लिखा: यीशु का सुसमाचार हर व्यक्ति के लिए, हर शहर में, हर नदी के किनारे अनुग्रह का उपहार है।



झटपट तथ्य



संसार भर में 1.2 अरब हिंदू
यानी: 1,200,000,000 लोग जो झूठे
देवताओं की पूजा करते हैं!

संसार की जनसंख्या का 15%

94% हिंदू भारत और नेपाल में रहते हैं
यानी केवल 72,000,000 हिंदू भारत और नेपाल
से बाहर रहते हैं।

माया ने अपने पन्ने के नीचे

एक वाक्य लिखा:

यीशु का सुसमाचार हर व्यक्ति के लिए, हर शहर में, हर
नदी के किनारे अनुग्रह का उपहार है।



110 Cities जहाँ सुसमाचार अभी तक नहीं पहुँचा

नक्शे का हर बिंदु एक शहर है। हर शहर लोगों से भरा है। परमेश्वर हर व्यक्ति से गहरा प्रेम करता है।

गंगा नदी के किनारे प्रार्थना यात्रा

इस पुस्तिका में आपको शहरों के खास बॉक्स मिलेंगे। हर बॉक्स दक्षिण एशिया के 19 महत्वपूर्ण शहरों में से एक से आपकी पहचान कराता है, जहाँ बहुत से हिंदू लोग रहते हैं।



हर शहर को प्रार्थना के एक बड़े नक्शे पर लगी पिन समझिए। जब आप किसी शहर का नाम देखें, तो उसके लिंक पर क्लिक करके 110 Cities पर उस शहर की जानकारी देखें, वहाँ रहने वाले लोगों के बारे में और जानें, और प्रार्थना करने के और तरीके खोजें। 19 शहरों की सूची में भारत और नेपाल की जगहें हैं, जैसे अहमदाबाद, कोलकाता, काठमांडू, प्रयागराज और वाराणसी।

शहरों के लिए प्रार्थना क्यों?

शहर कहानियों से भरी व्यस्त जगहें हैं। वहाँ परिवार, बच्चे, स्कूल, काम की जगहें, संगीत, खाना और मोहल्ले होते हैं। वहाँ नए विचार जल्दी फैलते हैं और कई कस्बों, भाषाओं और पृष्ठभूमियों के लोग मिलते हैं।

यीशु को शहरों की बहुत परवाह थी। बाइबल बताती है कि वह यरूशलेम के लिए रोया क्योंकि वह वहाँ के लोगों से प्रेम करता था। **परमेश्वर आज भी हर जगह के हर व्यक्ति को देखता है। आप खास हैं, और हर बच्चा और हर बड़ा उसके लिए बहुत मायने रखता है। कोई आपकी जगह नहीं ले सकता, क्योंकि उसने हमें अनोखे गुण और योग्यताएँ दी हैं ताकि हम दूसरों पर उसका प्रेम चमकाएँ।**

अधिक से अधिक लोग शहरों में आकर बस रहे हैं। इसलिए जब हम एक शहर के लिए प्रार्थना करते हैं, तो हम एक साथ बहुत से परिवारों और समुदायों के लिए प्रार्थना करते हैं। और जब कोई यीशु का सुसमाचार सुनकर उसके पीछे चलना चुनता है, तो वह आशा दोस्ती, घरों, स्कूलों और मोहल्लों में फैल सकती है।

ये 110 शहर क्यों?

110 Cities उन बड़े शहरों के लिए प्रार्थना पर ध्यान देता है जहाँ बहुत से लोगों को यीशु का सुसमाचार अपनी समझ में आने वाले तरीके से सुनने का बहुत कम मौका मिला है। ये शहर इसलिए चुने गए क्योंकि संसार के बाकी बचे अपहुँच जाति-समूहों और भाषाओं का बहुत बड़ा भाग इन्हीं में है।

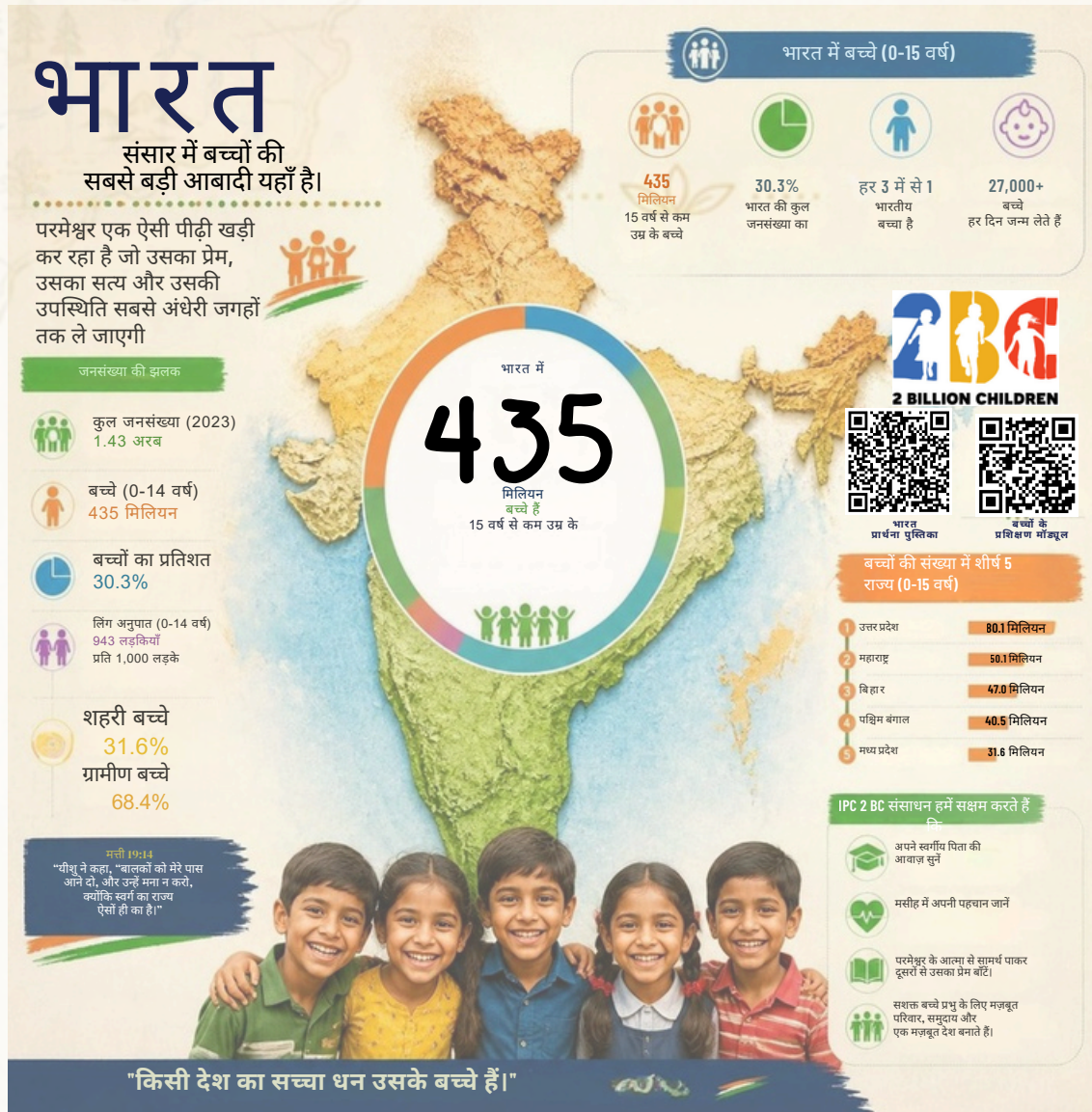
- ये शहर इसलिए महत्वपूर्ण हैं:
- यहाँ कई अलग-अलग भाषा-समूह और समुदाय रहते हैं।
- यहाँ करोड़ों लोग रहते, काम करते, पढ़ते और परिवार पालते हैं।
- यहाँ आशा एक व्यक्ति से दूसरे तक जल्दी फैल सकती है।
- संसार भर के मसीही प्रार्थना कर रहे हैं कि इन शहरों के लोगों को बाइबल मिले, वे यीशु के अनुयायियों से मिलें, और उन्हें उसके बारे में जानने का मौका मिले।

आपकी खास भूमिका

परमेश्वर आप जैसे साधारण लोगों और दूसरे बच्चों को प्रार्थना के लिए बुलाता है। इसमें शामिल होने के लिए आपको संसार के दूसरे छोर तक जाने की ज़रूरत नहीं। आप किसी शहर के बारे में सीख सकते हैं, **परमेश्वर से वहाँ के लोगों को आशीष देने के लिए कह सकते हैं, और प्रार्थना कर सकते हैं कि उन्हें यीशु के बारे में सुनने के मौके मिलें।**



2BC - 2 अरब बच्चों तक सुसमाचार पहुँचाना



हम भारत के लिए प्रार्थना करते हैं क्योंकि यह **संसार का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है**, जहाँ 1.4 अरब से अधिक लोग रहते हैं। यहाँ **2,000 से अधिक अपहुँच जाति-समूह** और 190 से अधिक भाषाएँ हैं। भारत अब सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, फिर भी करोड़ों लोग गरीबी में जीते हैं। **मसीही जनसंख्या का केवल लगभग 2% हैं**, यानी लगभग 3 करोड़ विश्वासी। दस से अधिक भारतीय राज्यों में धर्मांतरण-विरोधी कानून लागू हैं, और 2026 में मसीहियों के विरुद्ध रिकॉर्ड हिंसा हुई, फिर भी कलीसिया बढ़ती जा रही है: उत्तर में नई घरेलू कलीसियाओं से, और दक्षिण व पूर्वोत्तर में मिशनरी भेजने वाले विश्वासियों से।

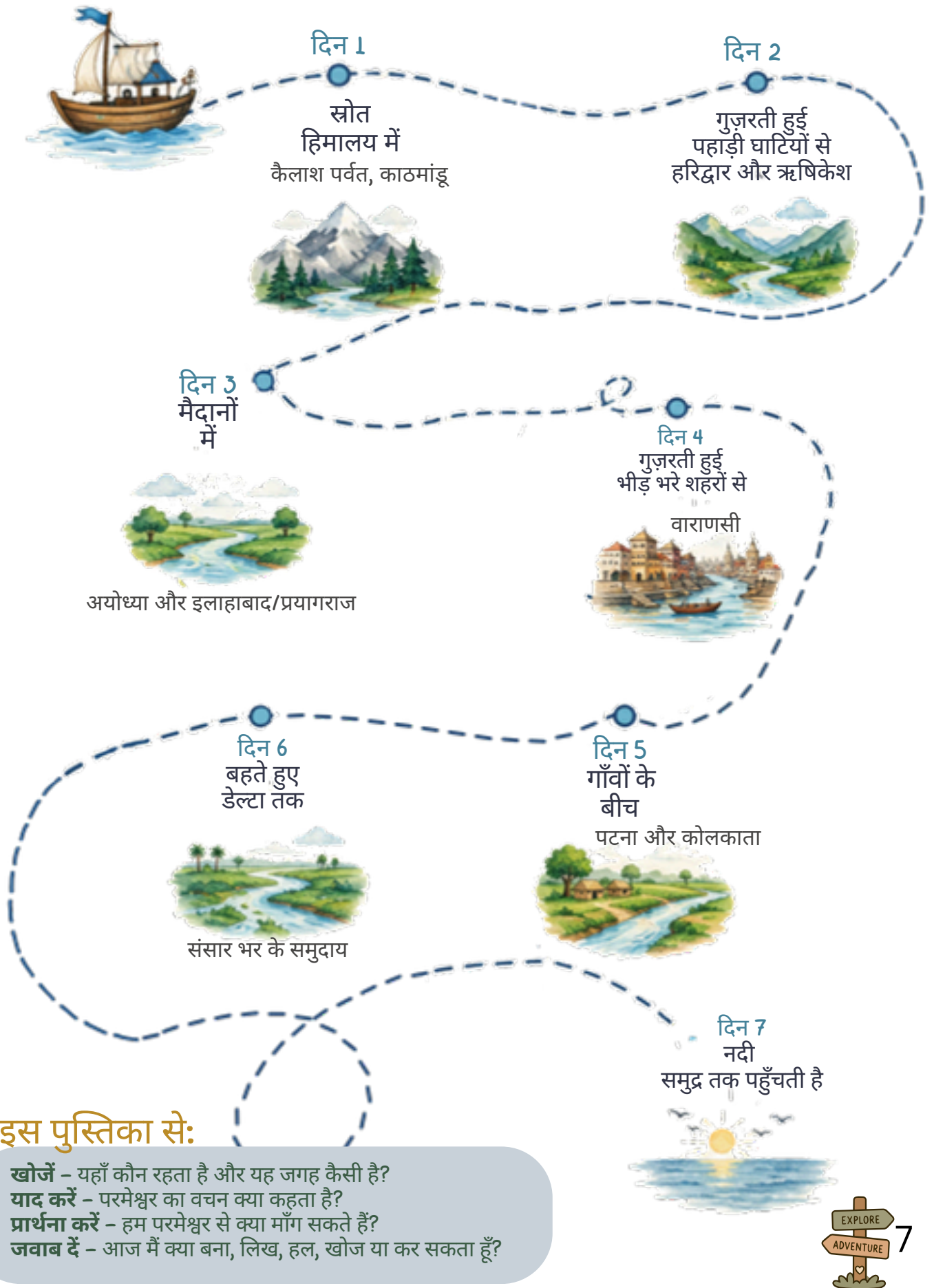
हम भारत के बच्चों के लिए खास तौर पर प्रार्थना करते हैं कि **IPC के 2 BC (2 अरब बच्चे)** संसाधनों के द्वारा देश भर के लड़के-लड़कियाँ अपने स्वर्गीय पिता की आवाज़ सुनें, मसीह में अपनी सच्ची पहचान जानें, और परमेश्वर के आत्मा से सामर्थ्य पाकर दूसरों के साथ उसका प्रेम बाँटें। ये साधन गाँवों, शहरों, और उन जगहों के बच्चों तक भी पहुँचें जहाँ मसीहियों पर दबाव है, ताकि एक नई पीढ़ी परमेश्वर के प्रेम में सुरक्षित होकर बड़ी हो और अपने परिवारों, दोस्तों और समुदायों के साथ हिम्मत से सुसमाचार बाँटें।

THE JOURNEY OF THE GANGES (GANGA) RIVER

From the Himalayas to the Bay of Bengal



भव्य हिमालय से, जहाँ बर्फ़ से ढकी चोटियाँ आसमान को छूती हैं,
महान गंगा नदी अपनी यात्रा शुरू करती है। नेपाल और उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों से बहकर उसका
पानी घाटियों, मैदानों, भीड़ भरे शहरों और गाँवों से होता हुआ आखिरकार समुद्र और उससे आगे तक
पहुँचता है



शहर को जानें

आज का बड़ा सवाल

जब आपका पूरा संसार पहाड़ों, पारिवारिक परंपराओं और आसपास के पवित्र स्थानों से बना हो, तब यीशु के पीछे चलने का क्या अर्थ है?



दिन 1
2 नवंबर

स्रोत
हिमालय में
कैलाश पर्वत, काठमांडू



और प्रार्थना बिंदुओं के लिए
स्कैन करें: [काठमांडू यहाँ](#)

हिमालय से मिलिए

बादलों के ऊपर, हिमालय पाँच देशों में फैला है। यहाँ रहने वाले परिवार खड़ी ढलानों पर अनाज उगाते हैं, पशुओं की देखभाल करते हैं, और ठंडी सर्दियों और बदलते मौसम में मिलकर काम करते हैं। बहुत से हिंदू लोगों के लिए ये पहाड़ पवित्र हैं। तिब्बत में नेपाल और भारत के पास स्थित कैलाश पर्वत खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि बहुत से हिंदू मानते हैं कि उनके देवता वहाँ रहते हैं। यहाँ की संस्कृति, आस्था और परंपराएँ इस धरती से जुड़ी हैं। आज की यात्रा शुरू करते हुए प्रार्थना करें कि इन पहाड़ी समुदायों के लोग जानें कि यीशु उन्हें देखता है, उनसे प्रेम करता है, और उन्हें अपने पास बुलाता है।

यह कहाँ है?

दक्षिण एशिया, पाकिस्तान, भारत, नेपाल, भूटान और चीन तक फैला

पर्वत-श्रृंखला की लंबाई

पश्चिम से पूर्व तक लगभग 2,400 किमी / 1,500 मील

यह कैसा है?

बहुत ऊँचे पहाड़, हिमनद, घाटियाँ, सीढ़ीदार खेत, घुमावदार सड़कें, और बदलता मौसम

रोज़ का जीवन

बहुत से परिवार खेती करते हैं, पशु पालते हैं, छोटे काम-धंधे चलाते हैं, लंबी दूरी तय करते हैं, और एक-दूसरे की मदद पर निर्भर रहते हैं

एक खास पहाड़

कैलाश पर्वत, तिब्बत में, नेपाल और भारत की सीमाओं के पास

कैलाश पर्वत क्यों महत्वपूर्ण है?

- यह हिंदुओं, बौद्धों, जैनों और बोन धर्म मानने वालों के लिए पवित्र है। बहुत से हिंदू मानते हैं कि यह शिव और पार्वती का घर है।

6-8 वर्ष के लिए, क्या आप चित्र में ये पाँच चीज़ें ढूँढ़ सकते हैं? पहाड़ की चोटियाँ, याक, घुमावदार रास्ते, घर, और रस्सी के पुल

9-12 वर्ष के लिए, कौन-सी बात यहाँ के रोज़ के जीवन के बारे में सबसे ज़्यादा बताती है?



मज़ेदार तथ्य

कैलाश पर्वत बहुत से तीर्थयात्रियों के लिए इतना महत्वपूर्ण है कि वे उस पर चढ़ते नहीं, बल्कि उसके चारों ओर परिक्रमा करते हैं। पहाड़ के चारों ओर का पारंपरिक रास्ता लगभग 53 किमी / 33 मील लंबा है और इसमें लगभग तीन दिन लग सकते हैं।



प्रार्थना करें, याद करें, जवाब दें

याद करने का पदः

"मैं अपनी आँखें पर्वतों की ओर उठाऊँगा।
मुझे सहायता कहाँ से मिलेगी?
मुझे सहायता यहीवा की ओर से मिलती है,
जो आकाश और पृथ्वी का कर्ता है।"
भजन संहिता 121:1-2



इसका क्या अर्थ है? परमेश्वर हमें हर जगह के लोगों के लिए आशा के साथ प्रार्थना करने को बुलाता है। करके देखें: एक ज़रूरी शब्द पर गोला बनाएँ। उसे याद रखने के लिए एक छोटा-सा चित्र बनाएँ।

प्रिय परमेश्वर, आज मैं प्रार्थना करना चाहता हूँ...

प्रभु, धन्यवाद कि सबसे ऊँचे पहाड़ भी आपके लिए लोगों तक पहुँचने के लिए दूर नहीं हैं। आप कहते हैं कि आपका प्रेम सबसे ऊँचे पहाड़ से ऊँचा और सबसे गहरे समुद्र जितना गहरा है। कैलाश पर्वत के पास रहने वाले लोगों के लिए धन्यवाद। लोगों को भेजिए ताकि वे जानें कि आप उनसे प्रेम करते हैं। जैसे मैं सीख रहा हूँ कि आप मुझसे भी इतना प्रेम करते हैं! आपने हम सबको खास और अनोखा बनाया है! आपकी रचनात्मकता के लिए धन्यवाद! कैलाश पर्वत के लोगों को अपने प्रेम और उपस्थिति से आशीष दीजिए।
आमीन



प्रार्थना बिंदु

प्रार्थना करने के बाद हर तारे में रंग भरें



तीर्थयात्री

पवित्र रास्तों पर चलने वाले तीर्थयात्रियों के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि दूसरे देवताओं को खोजते हुए भी वे एक सच्चे परमेश्वर को पा लें। रास्ते में उनकी मुलाकात यीशु से हो और वे अपना दिल और जीवन उसे सौंप दें।



हिंदू पड़ोसी

प्रार्थना करें कि हिंदू परिवारों को यीशु का सुसमाचार अपनी समझ में आने वाले तरीके से सुनने के मौके मिलें। प्रार्थना करें कि बीज बोए जाएँ और सौ गुना फ़सल लाएँ।



नेपाल के मसीही

उन मसीहियों के लिए हिम्मत और ज़रूरतें पूरी होने की प्रार्थना करें जो अपना विश्वास बाँट रहे हैं। प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें ऐसे लोगों तक ले जाए जो उसे जानना चाहते हैं, और उनकी मेहनत व्यर्थ न जाए।



पहाड़ों के परिवार

प्रार्थना करें कि कठिन मौसम में परिवारों के पास पर्याप्त भोजन, गर्मी, सुरक्षा और ताकत हो। प्रार्थना करें कि वे मसीही बनने वाले परिवार के सदस्यों को न ठुकराएँ। प्रार्थना करें कि उनके दिल यीशु को जानने के लिए खुल जाएँ।



प्रार्थना करते रहें:

नेपाल का संविधान धर्मनिरपेक्ष है और लोग अपना धर्म मान सकते हैं, पर वहाँ के कानून धर्म-परिवर्तन और किसी को धर्म बदलने के लिए मनाने पर रोक लगाते हैं, जिससे खुलकर मसीही गवाही देना कठिन हो सकता है। मसीहियों और अविश्वासियों दोनों के लिए प्रार्थना करें। कि कानून बदलें और सताव के बावजूद लोग यीशु को जानें।

खोजी चुनौती:

आप इस शहर के लिए परमेश्वर से क्या माँगेंगे?
नीचे लिखें या चित्र बनाएँ, फिर प्रार्थना करें।



शहर को जानें

आज का बड़ा सवाल

नई शुरुआत खोजने वाले लोगों को यीशु कौन-सा सुसमाचार देता है?



और प्रार्थना बिंदुओं के लिए
स्कैन करें: [गढ़वाली राजपूत यहाँ](#)



हरिद्वार और ऋषिकेश, उत्तराखंड से मिलिए

हिमालय की तलहटी और उत्तर भारत के चौड़े मैदानों के बीच बसे हरिद्वार और ऋषिकेश तेज़ बहती गंगा नदी के किनारे हैं। ऋषिकेश में नदी हरी पहाड़ियों और झूला पुलों के पास से उछलती हुई बहती है; हरिद्वार तक आते-आते वह मैदानों में फैलने लगती है। लाखों हिंदू तीर्थयात्री गंगा में स्नान करने और आध्यात्मिक मदद पाने के लिए यहाँ आते हैं। फिर भी ये शहर रोज़ के जीवन से भरे हैं। इस जगह के बारे में सीखते हुए हम प्रार्थना कर सकते हैं कि आशा खोजने वाले लोगों को यीशु के प्रेम का अनुभव करने के मौके मिलें।

यह कहाँ है?

उत्तराखंड में, उत्तर भारत में

भू-दृश्य

हिमालय की तलहटी, जंगल वाली पहाड़ियाँ, नदी घाटियाँ, खेत और मैदान। प्रसिद्ध गंगा नदी भी यहीं है

लोग यहाँ क्यों आते हैं?

हरिद्वार और ऋषिकेश हिंदुओं के महत्वपूर्ण तीर्थ स्थान हैं। लोग पवित्र स्थानों, नदी-स्नान, त्योहारों और आध्यात्मिक शिक्षा के लिए आते हैं।

रोज़ का जीवन

- उत्तराखंड के परिवार सीढ़ीदार खेतों में खेती करते हैं, पशु पालते हैं, दुकानें या अतिथि-गृह चलाते हैं, यात्रियों को रास्ता दिखाते हैं, स्कूल जाते हैं, और खड़ी ढलानों व बदलते पहाड़ी मौसम में एक-दूसरे पर निर्भर रहते हैं।

6-8 वर्ष के लिए, ढूँढ़िए: क्या आप ढूँढ़ सकते हैं.. एक लंबा झूला पुल, उड़ते पक्षियों का झुंड, छोटी-छोटी कयाक, धान के खेत, और एक राफ़्टिंग नाव



9-12 वर्ष के लिए, गंगा ऊँचे पहाड़ों में शुरू होती है। ध्यान से देखें: कौन-सी बातें दिखाती हैं कि यह नदी अभी भी हिमालय के पास है?



मज़ेदार तथ्य



ऋषिकेश में गंगा अभी भी एक तेज़ पहाड़ी नदी है, जो पहाड़ियों और चट्टानी घाटियों से बहती है। हरिद्वार पहुँचते-पहुँचते वह पहाड़ों को छोड़कर उत्तर भारत के समतल मैदानों में आगे बढ़ती है। इसीलिए ऋषिकेश व्हाइट-वॉटर राफ़्टिंग के लिए जाना जाता है, और हरिद्वार नदी किनारे की चौड़ी सीढ़ियों, यानी घाटों के लिए।



प्रार्थना करें, याद करें, जवाब दें

दिन 2
3 नवंबर



गुज़रती हुई
पहाड़ी घाटियों से



हरिद्वार और ऋषिकेश, उत्तराखंड

याद करने का पद:

“मुझे इसलिए भेजा है कि खेदित मन के लोगों को
शान्ति दूँ; कि बन्दियों के लिये स्वतंत्रता का
और कैदियों के लिये छुटकारे का प्रचार करूँ;
यशायाह 61:1

इसका क्या अर्थ है? परमेश्वर हमें हर जगह के लोगों
के लिए आशा के साथ प्रार्थना करने को बुलाता है।
करके देखें: एक ज़रूरी शब्द पर गोला बनाएँ। उसे याद
रखने के लिए एक छोटा-सा चित्र बनाएँ।

प्रिय परमेश्वर, आज मैं प्रार्थना करना चाहता हूँ...

प्रभु, उत्तराखंड के गढ़वाली और दूसरे अपहुँच समुदायों की मुलाकात आपसे हो। वे प्यासे होकर आपके पास आएँ और आप उन्हें अपने आत्मा से पूरी तरह भर दें। यहाँ के मसीहियों को सताव और अलगाव का सामना करते समय सुरक्षा और हिम्मत दीजिए। और अधिक मज़दूर भेजिए जो आपका सुसमाचार और प्रेम उन लोगों के साथ बाँटें जिन्हें उसकी बहुत ज़रूरत है। उन्हें देखने वाली आँखें और सुनने वाले कान मिलें। यीशु के नाम में, आमीन।



प्रार्थना बिंदु

प्रार्थना करने के बाद हर तारे में रंग भरें



उत्तराखंड के गढ़वाली और
अपहुँच समुदाय

प्रार्थना करें कि इन समुदायों की मुलाकात खास तरीके से यीशु से हो। प्रार्थना करें कि पवित्र आत्मा उनके दिल और मन तैयार करे, और जब वे सुनें तो उद्धार पाएँ।



त्योहार और छुट्टियाँ

प्रार्थना करें कि जब हिंदू परिवार पूजा करें, तो उनकी आँखें झूठे धर्म के खालीपन के प्रति खुल जाएँ। और प्रार्थना करें कि फिर वे जगत की सच्ची ज्योति, यीशु, को पा लें।



मसीही

सताव का सामना करने वाले पास्टर्स, सुसमाचार प्रचारकों और विश्वासियों के लिए सुरक्षा, हिम्मत और बुद्धि की प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें साहसी और मज़बूत बनाए, और वे न डरें।



बच्चे

प्रार्थना करें कि बच्चे जानें कि वे खास, अनोखे हैं और यीशु उनसे प्रेम करता है। प्रार्थना करें कि वे भी दूसरों के साथ यीशु का प्रेम बाँट सकें।



प्रार्थना करते रहें:

मसीही परिवारों और कलीसियाओं को हिम्मत और बुद्धि मिलने के लिए, और दूर-दराज़ के समुदायों के लोगों को यीशु के बारे में सुनने का मौका मिलने के लिए प्रार्थना करें। उत्तराखंड में धर्म-परिवर्तन पर नियंत्रण के कानून हैं, और हाल के प्रस्तावों में सज़ा और कड़ी करने की कोशिश की गई है।

खोजी चुनौती:

आप इस शहर के लिए परमेश्वर से क्या माँगेंगे?
गढ़वाली यहाँ की स्थानीय भाषा है, पर इस इलाके में हिंदी भी खूब बोली और समझी जाती है।
आइए कुछ शब्द सीखें:

नमस्ते - Namaste

nuh-muh-stay

नमस्कार / आदर से अभिवादन

गंगा - Ganga

GUN-gah

गंगा नदी

पहाड़ - Pahaad

puh-HAARD

पर्वत

पानी - Paani

PAA-nee

जल

धन्यवाद - Dhanyavaad

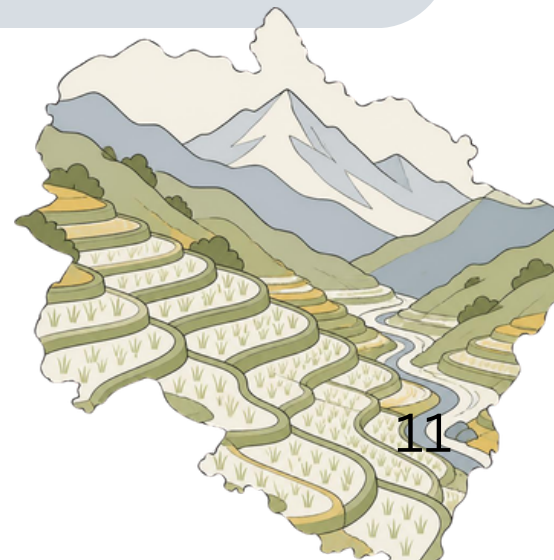
DHUN-yuh-vaad

शुक्रिया

दोस्त - Dost

dohst

मित्र



शहर को जानें

आज का बड़ा सवाल

जब लोग कई अलग-अलग जगहों पर किसी देवता को खोज रहे हैं, तो वे यीशु के द्वारा एक सच्चे परमेश्वर से कैसे मिल सकते हैं?



और प्रार्थना बिंदुओं के लिए स्कैन करें: [प्रयागराज](#) यहाँ



दिन 3
4 नवंबर
मैदानों में

अयोध्या और
इलाहाबाद/प्रयागराज

अयोध्या और इलाहाबाद/प्रयागराज से मिलिए

अयोध्या और प्रयागराज उत्तर भारत के गंगा क्षेत्र के महत्वपूर्ण शहर हैं। अयोध्या सरयू नदी के किनारे है और राम की हिंदू कहानियों से, और राम का जन्मस्थान होने से, गहराई से जुड़ी है। प्रयागराज वहाँ है जहाँ गंगा और यमुना संगम पर मिलती हैं, जहाँ बहुत से तीर्थयात्री आते हैं। ये शहर नदी किनारे की सीढ़ियों, बाजारों, परिवारों, स्कूलों, त्योहारों और व्यस्त गलियों से भरे हैं। हम प्रार्थना कर सकते हैं कि लोगों की मुलाकात यीशु से हो। प्रार्थना करें कि वे जानें कि परमेश्वर उनसे प्रेम करता है, और उन्हें विश्वास के बारे में सच्चे सवाल पूछने की आज़ादी हो। बनिया परिवार भारत के कई भागों में पाए जाते हैं।

यह कहाँ है?

उत्तर प्रदेश में

भू-दृश्य

अयोध्या सरयू नदी के किनारे ज़्यादातर समतल, उपजाऊ इलाके में है, और प्रयागराज गंगा-यमुना के चौड़े मैदान पर बसा है, जो त्रिवेणी संगम पर दोनों नदियों के मिलन के लिए प्रसिद्ध है।

लोग यहाँ क्यों आते हैं?

दोनों शहर हिंदुओं के बड़े तीर्थ स्थान हैं और हिंदू परंपरा में राम और राम जन्मभूमि मंदिर से जुड़े हैं। सरकारी अनुमान के अनुसार प्रयागराज के 2025 महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक बार लोग आए।

रोज़ का जीवन

- परिवार महत्वपूर्ण नदियों और ऐतिहासिक जगहों के किनारे साधारण जीवन जीते हैं। बच्चे स्कूल जाते हैं। परिवार साथ खाना खाते हैं। बड़े काम करते हैं। फ़र्क यह है कि यहाँ तीर्थ का बड़ा मौसम और त्योहार हर तरह के लोगों को खींच लाते हैं।

6-8 वर्ष के लिए, ढूँढ़िए: क्या आप ढूँढ़ सकते हैं.. मोटरसाइकिल की दुकान, लंबे झूला पुल पर लोग, बेंच के पास बिकते मिट्टी के बर्तन



9-12 वर्ष के लिए, यहाँ रहने वाले लोगों के बारे में आपके मन में क्या सवाल हैं?



मज़ेदार तथ्य



प्रयागराज के संगम पर गंगा और यमुना मिलती हैं। कुंभ मेले के दौरान, बहुत बड़ी भीड़ के स्वागत के लिए अस्थायी सड़कें, पुल, तंबू, बाजार, रसोई, दवाखाने और सभा-स्थल बनाए जाते हैं।

प्रार्थना करें, याद करें, जवाब दें

दिन 3

4 नवंबर

मैदानों
में

अयोध्या और
इलाहाबाद/प्रयागराज



इसका क्या अर्थ है? परमेश्वर हमें हर जगह के लोगों के लिए आशा के साथ प्रार्थना करने को बुलाता है। करके देखें: एक ज़रूरी शब्द पर गोला बनाएँ। उसे याद रखने के लिए एक छोटा-सा चित्र बनाएँ।

याद करने का पद:

"मैं तुम से सच कहता हूँ, यदि तुम्हारा विश्वासराई के दाने के बराबर भी हो, तो इस पहाड़ से कह सकोगे, 'यहाँ से सरककर वहाँ चला जा', तो वह चला जाएगा; और कोई बात तुम्हारे लिये अनहोनी न होगी।"

मत्ती 17:20

प्रिय परमेश्वर, आज मैं प्रार्थना करना चाहता हूँ...

प्रभु, अयोध्या और इलाहाबाद/प्रयागराज के समुदाय जानें कि आपके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। जैसे यह नदी इस इलाके से बहती है, वैसे ही आपका आत्मा उनमें बहे और जिनसे भी वे मिलें उन्हें पोषण दे। अंत में, प्रभु, आकाश को फाड़कर फिर से नीचे उतर आइए। अपनी भस्म करने वाली आग से मूर्तिपूजा को जला दीजिए और उसकी जगह अपनी शांति दीजिए। यीशु के नाम में उन्हें बाँधने वाली जंजीरों से छुड़ाइए। आमीन।



प्रार्थना बिंदु

प्रार्थना करने के बाद हर तारे में रंग भरें



ज़मीन पर सुसमाचार

सुसमाचार के फैलने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि लोग परमेश्वर के वचन से प्रेम करने लगें और अपने पूरे दिल, प्राण और मन से उसके द्वारा परमेश्वर को खोजें।



नरम दिल

प्रार्थना करें कि पवित्र आत्मा लोगों के दिलों में काम करे। प्रार्थना करें कि उनके दिल नरम हों और वे वचन को आनंद से ग्रहण करें। फिर वे पवित्र शास्त्र में खोजें कि उन्हें बताई गई बातें सच हैं, और अपनी मूर्तियों को छोड़कर एक सच्चे परमेश्वर की ओर फिरे।



बनिया लोग

प्रार्थना करें कि वे परमेश्वर के प्रेम को जानें। उस प्रेम की ऊँचाई, चौड़ाई और गहराई को, जो उसने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान के द्वारा दिया है। प्रार्थना करें कि लोग जवाब दें और पूरे दिल से उसके पीछे चलें।



टूटे रिश्ते जुड़ें

प्रार्थना करें कि रिश्ते सुधरें और तनाव दूर हो। जो लोग शुद्धि और नयापन खोजते हुए यहाँ आते हैं, उनके लिए प्रार्थना करें कि वे उस एक को पाएँ जो सच में ऐसा कर सकता है, यानी यीशु।



प्रार्थना करते रहें:

परिवारों, बच्चों, स्थानीय मसीहियों, समुदायों के बीच शांति के लिए, और लोगों को बिना दबाव या ज़बरदस्ती के यीशु के बारे में सुनने के मौकों के लिए प्रार्थना करें।

खोजी चुनौती:

आप इस शहर के लिए परमेश्वर से क्या माँगेंगे? त्रिकोण पर रेखा खींचें।

ये दोनों शहर वाराणसी के साथ मिलकर इस इलाके में एक हिंदू आध्यात्मिक त्रिकोण बनाते हैं। आइए प्रार्थना करें कि जिसे शैतान बुराई के लिए इस्तेमाल कर रहा है, परमेश्वर उसे भलाई में बदल दे। प्रार्थना करें कि परमेश्वर इन तीन शहरों को ऐसा आध्यात्मिक त्रिकोण बना दे जो उसकी स्तुति करे। कि अंधकार में चलने वाले लोग बड़ी ज्योति देखें और अंधकार की शक्तियों से छुटकारा पाएँ।



शहर को जानें

आज का बड़ा विचार

इस शहर में पानी तक जाती पथर की सीढ़ियों की लंबी कतारें हैं जिन्हें घाट कहते हैं। इन सीढ़ियों पर लोग प्रार्थना करते, नहाते, दोस्तों से मिलते, काम करते, और मेहमानों का स्वागत करते हैं।



और प्रार्थना बिंदुओं के लिए
स्कैन करें: [वाराणसी यहाँ](#)



दिन 4
5 नवंबर

गुज़रती हुई
भीड़ भरे शहरों से
वाराणसी

वाराणसी से मिलिए

वाराणसी संसार के सबसे पुराने लगातार बसे शहरों में से एक है और हिंदू धर्म का आध्यात्मिक हृदय है। हर साल लाखों तीर्थयात्री पवित्र गंगा में स्नान करने, दूसरे धार्मिक अनुष्ठान करने, या पुनर्जन्म के चक्र से छुटकारा पाने आते हैं। शहर के घाट (नदी किनारे की बड़ी सीढ़ियाँ), मंदिर और श्मशान घाट उस गहरे आध्यात्मिक अंधकार को दिखाते हैं जिसमें लोग जीते हैं। यह इलाका भारत के सबसे बड़े अपहुँच जाति-समूहों में से एक का घर है। उनकी अपनी भाषा और संस्कृति में सुसमाचार उन तक बहुत कम या बिल्कुल नहीं पहुँचा है। हालाँकि कलीसिया बढ़ रही है, फिर भी विश्वासियों को अक्सर सामाजिक बहिष्कार, परेशानी, और उत्तर प्रदेश के धर्मांतरण-विरोधी कानूनों के तहत बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ता है।

यह कहाँ है?

वाराणसी उत्तर प्रदेश में, उत्तर भारत में है।

भू-दृश्य

यह शहर पहाड़ों में या समुद्र के किनारे नहीं, बल्कि गंगा के चौड़े, समतल मैदान में है।

लोग यहाँ क्यों आते हैं?

इसे हिंदू धर्म का सबसे पवित्र शहर माना जाता है, और माना जाता है कि यहाँ की गंगा पाप धो सकती है और मोक्ष दे सकती है। तीर्थयात्री पवित्र जल में स्नान करने, घाटों पर पूजा-पाठ करने, गंगा आरती देखने, और अपने प्रियजनों की अस्थियाँ विसर्जित करने आते हैं।

रोज़ का जीवन

- भीड़ भरे बाज़ारों में सामान खरीदना-बेचना। रंगीन बनारसी रेशम बुनना और बेचना। नाव से जाना या तंग गलियों में पैदल चलना। नदी किनारे परिवार और दोस्तों से मिलना। तीर्थयात्रियों का मंदिर जाना और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेना।

6-8 वर्ष के लिए, ढूँढ़िए: क्या आप ढूँढ़ सकते हैं... लोगों से भरी नाव, गाँव, बकरियाँ, और सीढ़ियों पर इकट्ठा लोग



9-12 वर्ष के लिए, वाराणसी में किसी अकेले या जीवन के जवाब खोजने वाले व्यक्ति के प्रति आप दया कैसे दिखाएँगे?



मज़ेदार तथ्य



दिवाली के समय हज़ारों दीये नदी के किनारों को रोशन करते हैं और परिवार समृद्धि, आशीष और नई शुरुआत के लिए प्रार्थना करते हैं। यह प्रार्थना का खास समय है कि आध्यात्मिक ज्योति खोजने वाले लोग जगत की सच्ची ज्योति, यीशु मसीह, से मिलें।





याद करने का पद:

“जैसे हिरनी नदी के जल के लिये हाँफती है, वैसे ही, हे परमेश्वर, मैं तेरे लिये हाँफता हूँ।

जीविते परमेश्वर, हाँ परमेश्वर, का मैं प्यासा हूँ, मैं कब जाकर परमेश्वर को अपना मुँह दिखाऊँगा?”

भजन संहिता 42:1-2

गुज़रती हुई
भीड़ भरे शहरों से
वाराणसी

इसका क्या अर्थ है? परमेश्वर हमें हर जगह के लोगों के लिए आशा के साथ प्रार्थना करने को बुलाता है। करके देखें: एक ज़रूरी शब्द पर गोला बनाएँ। उसे याद रखने के लिए एक छोटा-सा चित्र बनाएँ।

प्रिय परमेश्वर, आज मैं प्रार्थना करना चाहता हूँ...

प्रभु, यहाँ बहुत से लोग आपको नहीं जानते। उन्हें अपनी भाषा में आपका वचन खुद पढ़ने का मौका भी नहीं मिलता। लोग आपके वचन का उनकी भाषा में अनुवाद करने का काम करें। आपका वचन उनके दिल और प्राण को छेद दे, और वहाँ जो कुछ मरा हुआ है उसे काटकर निकाल दे। उसकी जगह उन्हें नया दिल और नया जीवन दीजिए जो आपके पीछे चले और आपसे प्रेम करे। उन्हें अपना आत्मा दीजिए और इन लोगों को आज़ादी दीजिए जो आज़ादी के लिए दीये जलाते हैं पर अंधकार में फँसे हैं। धन्यवाद कि आप उनसे वैसे ही प्रेम करते हैं जैसे मुझसे। यीशु के नाम में, आमीन।



प्रार्थना बिंदु

प्रार्थना करने के बाद हर तारे में रंग भरें



पूर्वी उत्तर प्रदेश के अपहुँच समूह इस बड़े अपहुँच जाति-समूह के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि बाइबल जल्दी उनकी भाषा में अनुवाद हो। प्रार्थना करें कि परमेश्वर लोगों को यहाँ भेजे जो सुसमाचार सुनाएँ और इन लोगों तक पहुँचें।



हिम्मत, सुरक्षा और बुद्धि प्रार्थना करें कि इस इलाके में सेवा करने वाले पास्टर्स, सुसमाचार प्रचारकों और विश्वासियों के साथ विरोध और सताव के समय यीशु की हिम्मत और सुरक्षा हो। परमेश्वर उन्हें सहने की ताकत दे।



अपहुँच समूह - परदा हटे प्रार्थना करें कि सत्य से उनकी आँखों को ढकने वाला परदा हट जाए। इससे वे यीशु मसीह के सत्य को खोजें और उससे मिलें।



दिवाली प्रार्थना करें कि दिवाली मनाने वाले लोग परमेश्वर को खोजें, और जब वे पूरे दिल से खोजें तो उसे पा लें। उन्हें वह आशा और आशीष मिले जिसकी वे तलाश कर रहे हैं।



प्रार्थना करते रहें:

मसीही परिवारों और कलीसियाओं के बढ़ने के लिए प्रार्थना करें। कानूनों में ढील दी जाए ताकि सुसमाचार बिना रुकावट फैल सके; और यदि ऐसा न हो, तो परमेश्वर विश्वासियों को सताव से बचाए, ताकि सब सुनें, जानें और उद्धार पाएँ।

खोजी चुनौती:

ज्योति बनें:

वाराणसी में लोग गंगा के किनारे इकट्ठा होकर छोटे दीये जलाते हैं। रात की आरती के समय उनकी रोशनी पानी में चमकती है।

अगर आप वाराणसी में किसी के साथ यीशु की ज्योति बाँट सकें, तो आप उसके लिए क्या प्रार्थना करेंगे? मोमबत्ती में रंग भरें ताकि आपको याद रहे कि आप ज्योति हैं। पहाड़ पर बसा नगर, जो छिप नहीं सकता।



शहर को जानें

आज का बड़ा विचार

जब हमें लगता है कि कोई हमें नहीं देखता, तब भी परमेश्वर हमें देखता है।
परमेश्वर हमारी भावनाएँ समझता है, और भाई से भी बढ़कर साथ रहने वाला मित्र है। जब हम रोते हैं या खुश होते हैं, वह हमारी सुनता है! वह हर पल हमारे साथ है!

दिन 5
6 नवंबर



गाँवों के बीच
पटना और कोलकाता



और प्रार्थना बिंदुओं के लिए
स्कैन करें: [पटना और कोलकाता](#)
यहाँ



पटना और कोलकाता से मिलिए

आज हम अपना ध्यान पटना और कोलकाता की ओर लगाते हैं। पटना बिहार की राजधानी है, जो भारत के सबसे गरीब राज्यों में से एक है। वहाँ बहुत से परिवारों के पास पर्याप्त पैसा, नौकरी या मौके नहीं हैं। कुछ लोग काम पाने और बेहतर जीवन बनाने की आशा में गाँवों से शहर आते हैं। कोलकाता पश्चिम बंगाल की राजधानी है। यह अपनी कला, संगीत, किताबों, इतिहास और स्कूलों के लिए प्रसिद्ध है। पर शहर के बहुत से लोग आज भी भीड़ भरी जगहों में रहते हैं और कठिन चुनौतियों का सामना करते हैं। दोनों शहरों में कुछ कमज़ोर लोगों को धोखे से या ज़बरदस्ती असुरक्षित हालात में डाल दिया जाता है। कुछ समुदायों के साथ उस जाति के कारण भी अन्याय होता है जिसमें वे पैदा हुए। इससे उनके लिए कई काम करना, या दूसरों द्वारा अपनाया जाना भी कठिन हो जाता है। किसी को भी उसके परिवार या पृष्ठभूमि के कारण कम महत्वपूर्ण नहीं समझा जाना चाहिए। हम सब परमेश्वर के स्वरूप में बनाए गए हैं, अनोखे हैं और खास तौर पर प्रिय हैं। पटना और कोलकाता की व्यस्त सड़कों और भारी आबादी के पीछे करोड़ों लोग हैं जिनसे परमेश्वर प्रेम करता है। हर व्यक्ति की आशाएँ हैं, संघर्ष हैं, और वह आदर, न्याय और प्रेम के योग्य है।

यह कहाँ है?

पटना बिहार में और कोलकाता पश्चिम बंगाल में है, ये पूर्वी भारत के दो राज्य हैं।

भू-दृश्य

दोनों शहर गंगा नदी के पास समतल, उपजाऊ मैदानों पर बसे व्यस्त, भीड़ भरे शहर हैं।

लोग यहाँ क्यों आते हैं?

लोग काम, पढ़ाई, परिवार, व्यापार, संस्कृति, इतिहास और कला के लिए आते हैं।

रोज़ का जीवन

- लोग स्कूल और काम पर जाते हैं, व्यस्त सड़कों पर आते-जाते हैं, बाज़ारों में खरीदारी करते हैं, अपने परिवारों की देखभाल करते हैं, और कई अलग-अलग तरीकों से आराधना करते हैं।

6-8 वर्ष के लिए, ढूँढ़िए: क्या आप ढूँढ़ सकते हैं..
दो गुलाब, प्याज़ का ढेर, और मोटरसाइकिल चलाता
एक आदमी
आप कितनी पीली टैक्सियाँ गिन सकते हैं?



9-12 वर्ष के लिए, अगर आप यहाँ जाएँ, तो लोगों
को कैसे महसूस कराएँगे कि वे कीमती हैं और शामिल
हैं?



मज़ेदार तथ्य



कोलकाता अपनी पीली
टैक्सियों, स्वादिष्ट मिठाइयों,
किताबों, संगीत और हावड़ा ब्रिज
के लिए प्रसिद्ध है।



प्रार्थना करें, याद करें, जवाब दें

दिन 5
6 नवंबर



गाँवों के बीच
पटना और कोलकाता



याद करने का पदः

"उसने यहोवा का नाम जिसने उससे बातें की थीं,
अत्ताएलरोई रखकर कहा,
"क्या मैं यहाँ भी उसको जाते हुए देखने पाई और देखने के
बाद भी जीवित रही?"
उत्पत्ति 16:13

इसका क्या अर्थ है? परमेश्वर हमें हर जगह के लोगों के लिए आशा के साथ प्रार्थना करने को बुलाता है। करके देखें: एक ज़रूरी शब्द पर गोला बनाएँ। उसे याद रखने के लिए एक छोटा-सा चित्र बनाएँ।

प्रिय परमेश्वर, आज मैं प्रार्थना करना चाहता हूँ...

प्रभु, जब लोग गरीबी में फँसे हैं और आशा खोज रहे हैं, तो आप उनकी आशा बनिए और उनकी ज़रूरत की चीज़ें दीजिए। ऐसे मसीहियों को भेजिए जो उनके साथ केवल यीशु को ही न बाँटें, बल्कि उनकी शारीरिक ज़रूरतें भी पूरी करें। धन्यवाद कि आप ऐसे परमेश्वर हैं जो देखता है, और हम जहाँ हैं वहीं हमसे मिलता है। यीशु के लिए धन्यवाद, जिसकी हमें ज़रूरत है ताकि आपसे दूर होकर हम जिन हालात में गिरते हैं उनसे उठाए जाएँ। लोगों के जीने का ढंग बदलना शुरू कीजिए और उन्हें आप में नई आशा और भरपूर जीवन दीजिए। यीशु के नाम में, आमीन।



प्रार्थना बिंदु

प्रार्थना करने के बाद हर तारे में रंग भरें



सरकारें और अधिकारी

सरकारों और अधिकार रखने वालों के लिए प्रार्थना करें कि वे भलाई करें, न्याय से काम करें, और भ्रष्टाचार छोड़ दें। प्रार्थना करें कि वे दया से प्रेम करें और परमेश्वर को जानें।



देखे और जाने गए

प्रार्थना करें कि पटना और कोलकाता के लोग परमेश्वर की नज़र में अपनी कीमत को देखने और समझने लगे। प्रार्थना करें कि वे समझें कि परमेश्वर ने उन्हें अपने स्वरूप में बनाया है और हर एक को एक योजना और उद्देश्य के साथ बनाया है।



कमज़ोर और गरीब

पटना और कोलकाता के कमज़ोर और गरीब लोगों के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि वे मानव तस्करी से बचाए जाएँ, और वह परमेश्वर उनकी रक्षा करे जो उनकी ज़रूरतों को देखता है। प्रार्थना करें कि उन्हें अब और किनारे न किया जाए या ठुकराया न जाए।



ताकत और गवाह

प्रार्थना करें कि लोगों को उनकी कठिनाइयों से राहत और परमेश्वर में ताकत मिले। प्रार्थना करें कि जिनके पास पर्याप्त है वे वैसे ही बाँटें जैसे यीशु उन्हें मुफ्त में देता है।



प्रार्थना करते रहें:

यीशु के अनुयायियों के गवाह बनने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि वे अपने आसपास के लोगों से प्रेम करने और उन्हें यीशु का सुसमाचार सुनाने से न डरें। प्रार्थना करें कि मज़दूर बढ़ते जाएँ और फ़सल इकट्ठा करने लगे। कि ये नगर सब जातियों के लिए प्रार्थना का घर बनें।

खोजी चुनौती:

हावड़ा ब्रिज:

हुगली नदी के आर-पार कोलकाता और हावड़ा को जोड़ता है और हर दिन हज़ारों गाड़ियाँ और पैदल यात्री इस पर से गुज़रते हैं। यह इसलिए भी प्रसिद्ध है कि इसे एक भी नट-बोल्ट के बिना बनाया गया; इसके स्टील के हिस्से रिवेट से जोड़े गए।

अन्याय सहने वाले या अलग किए गए लोगों के बीच आप पुल बनाने में कैसे मदद कर सकते हैं?



शहर को जानें

आज का बड़ा विचार

बुद्धि कहाँ मिल सकती है?

दिन 6
7 नवंबर



और प्रार्थना बिंदुओं के लिए
स्कैन करें: [हिंदू धर्म यहाँ](#)

बहकर
डेल्टा
तक

संसार भर के
समुदाय

संसार भर के समुदायों से मिलिए

गंगा नदी से आगे, हिंदू लोग अपनी आस्था, संस्कृति और परंपराएँ समुद्र पार ले जाते हैं। इसके साथ वे जहाँ बसते हैं वहाँ के धार्मिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप को बदल रहे हैं। आज की प्रार्थनाएँ इन्हीं लोगों पर हैं, जिन्हें भारतीय प्रवासी कहते हैं। ये 1.8 करोड़ से अधिक लोग हैं और संसार में सबसे दूर-दूर तक फैले और प्रभावशाली प्रवासी समूहों में से एक हैं। भारतीय समुदाय जिन जगहों पर जाते हैं वहाँ व्यापार और मंदिर बना रहे हैं और योग व धार्मिक त्योहार फैला रहे हैं। न्यू जर्सी में BAPS स्वामीनारायण अक्षरधाम जैसे मंदिर बनाए गए हैं, जिससे वह जगह हिंदू पूजा का केंद्र बन गई है। योग और दिवाली भी स्कूलों, काम की जगहों और समुदायों में जाने-पहचाने होते जा रहे हैं।

ये कौन हैं?

भारतीय प्रवासी समुदाय में भारत के लोग और भारतीय मूल के वे लोग हैं जो दूसरे देशों में रहते हैं।

संसार में सबसे बड़ा

भारत का प्रवासी समुदाय संसार में सबसे बड़ा है, 2024 में लगभग 1.8 करोड़ प्रवासी भारतीय दर्ज किए गए।

समुदाय कहाँ हैं

भारतीय समुदाय 110 से अधिक देशों में रहते हैं, जैसे अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, कनाडा, ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका।

संस्कृति

- प्रवासी समुदाय भोजन, भाषा, संगीत, मंदिरों, योग, व्यापार और दिवाली जैसे त्योहारों के द्वारा भारतीय संस्कृति फैलाते हैं।

6-8 वर्ष के लिए, ढूँढ़िए: क्या आप ढूँढ़ सकते हैं.. एक दिवाली का दीया, एक हरी बस, एक लाल वैन, और एक सफ़ेद ट्रक? आपको और क्या दिखता है?



9-12 वर्ष के लिए, हम किसी व्यक्ति और उसकी संस्कृति से प्रेम और आदर करते हुए यीशु का सत्य कैसे चमका सकते हैं और उसका सुसमाचार कैसे बाँट सकते हैं?



मज़ेदार तथ्य



न्यू जर्सी का BAPS स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर भारत से बाहर के सबसे बड़े हिंदू मंदिरों में से एक है। 12,000 से अधिक स्वयंसेवकों ने 12 वर्षों में इसे बनाने में मदद की, जिसमें लाखों घन फुट हाथ से तराशे गए पत्थर लगे।



प्रार्थना करें, याद करें, जवाब दें

दिन 6
7 नवंबर



याद करने का पदः

“वह नदियों को ऐसा रोक देता है, कि उनसे एक बूँद भी पानी नहीं टपकता और जो कुछ छिपा है उसे वह उजियाले में निकालता है। परन्तु बुद्धि कहाँ मिल सकती है? और समझ का स्थान कहाँ है?”

अय्यूब 28:11-12



इसका क्या अर्थ है? परमेश्वर हमें हर जगह के लोगों के लिए आशा के साथ प्रार्थना करने को बुलाता है। करके देखें: एक ज़रूरी शब्द पर गोला बनाएँ। उसे याद रखने के लिए एक छोटा-सा चित्र बनाएँ।

प्रिय परमेश्वर, आज मैं प्रार्थना करना चाहता हूँ...

प्रभु, मैं प्रार्थना करता हूँ कि जैसे भारतीय प्रवासियों के साथ हिंदू धर्म धीरे-धीरे संसार में फैल रहा है, आप उसे रोक दें। भारत छोड़कर जाने वाले ये लोग आप में नया जीवन पाएँ। अंधकार को चीरकर ज्योति चमके, और आप उठकर इन लोगों को आशीष दें। इन लोगों को अपनी पहचान कराइए। यीशु के नाम में, आमीन।



प्रार्थना बिंदु

प्रार्थना करने के बाद हर तारे में रंग भरें



विश्वासी

प्रार्थना करें कि विश्वासी अपने मौकों को पहचानें, और अपने समुदायों में आए इन नए लोगों के साथ खुलकर यीशु का प्रेम बाँटने की हिम्मत रखें।



बुद्धि

प्रार्थना करें कि जब ये लोग मसीह के पास आएँ तो परमेश्वर की बुद्धि उनमें जड़ पकड़े। कि फिर वे मसीह का प्रेम दूसरों तक ले जाएँ, और प्रार्थना करें कि सुसमाचार फैले।



गुजराती समुदाय

प्रार्थना करें कि गुजराती समुदाय सुसमाचार सुने और उस नए जीवन और आशा को खुले दिल से अपनाए जो परमेश्वर यीशु में देता है। प्रार्थना करें कि परमेश्वर विश्वासियों को इन समुदायों तक पहुँचने की बुद्धि दे।



दिवाली त्योहार

प्रार्थना करें कि वे झूठे देवताओं का त्योहार मनाने और उनकी पूजा करने की व्यर्थता को समझें। यह मसीहियों के लिए सत्य और अंधकार पर सच्ची ज्योति की बात बताने का मौका बने।



प्रार्थना करते रहें:

प्रार्थना करें कि परमेश्वर बुराई को रोके। प्रार्थना करें कि वह संसार में हिंदू धर्म के फैलाव को रोक दे। कि उसकी जगह उसका वचन और महिमा एक छोर से दूसरे छोर तक फैले, और हर घुटना टिके और हर जीभ अंगीकार करे। प्रार्थना करें कि यीशु का राज्य आए और उसकी इच्छा संसार में पूरी हो।

खोजी चुनौती:

आप संसार के लिए परमेश्वर से क्या माँगेंगे?

सुनें, सीखें और प्रेम करें:

अपने पास कोई भारतीय प्रवासी समुदाय, या किसी दूसरे धर्म या संस्कृति का व्यक्ति ढूँढ़ें, और उनसे उनके खाने, भाषा या परिवार के बारे में पूछें। कोई भारतीय व्यंजन की विधि खोजें और अपने नए दोस्त के लिए बनाएँ, या नाश्ता बाँटें। ऐसा करते हुए उन्हें जानें और उनके साथ यीशु का सत्य और प्रेम बाँटें।



वैश्विक प्रार्थना दिवस

आपकी प्रार्थनाएँ मायने रखती हैं

संसार के हिंदू लोगों के लिए लगातार 24 घंटे प्रार्थना करने में Global Family के साथ जुड़ें



दिन 7
8 नवंबर
नदी
समुद्र तक पहुँचती है



स्कैन करके जुड़ें: [संसार के हिंदू लोगों के लिए 24 घंटे की प्रार्थना यहाँ](#)

(Code: 2818)

इन 21 अपहूँच महानगरों के लिए हमारे साथ प्रार्थना करें

- अहमदाबाद, भारत
- अमृतसर, भारत
- आसनसोल, भारत
- बेंगलुरु, भारत
- भोपाल, भारत
- चटगाँव, बांग्लादेश
- ढाका, बांग्लादेश
- दिल्ली, भारत
- हैदराबाद, भारत
- जयपुर, भारत
- कानपुर, भारत
- काठमांडू, नेपाल
- कोलकाता, भारत
- लखनऊ, भारत
- मुंबई, भारत
- पटना, भारत
- प्रयागराज, भारत
- सिलीगुड़ी, भारत
- श्रीनगर, भारत
- सूरत, भारत
- वाराणसी, भारत

मुख्य तारीखें:

- 8 नवंबर 2026 - दिवाली त्योहार के दौरान संसार भर के हिंदुओं के लिए वैश्विक प्रार्थना दिवस में हमारे साथ जुड़ें।



फोटो: Church of the King / Unsplash

मज़ेदार तथ्य



1727 में जर्मनी के मोरावियन मसीहियों के एक छोटे समूह ने प्रार्थना की ऐसी कड़ी बनाई कि दिन-रात हर घंटे कोई न कोई प्रार्थना करता रहे। उनकी लगातार प्रार्थना 100 से अधिक वर्षों तक चली, और परमेश्वर ने इस प्रार्थना करने वाले समुदाय के द्वारा संसार भर में मिशन के काम को प्रेरणा दी।



याद करने का पद:

“सच्ची ज्योति जो हर एक मनुष्य को प्रकाशित करती है, जगत में आनेवाली थी।”

यूहन्ना 1:9

प्रिय परमेश्वर, आज मैं प्रार्थना करना चाहता हूँ...

प्रभु, मैं प्रार्थना करता हूँ कि हर जाति में यीशु की महिमा हो। लोगों को हर जाति में सुसमाचार सुनाने और सब लोगों तक पहुँचने के योग्य बनाइए। घरेलू कलीसियाओं को बढ़ाइए, और वे संसार भर के अपहुँच महानगरों में स्थापित हों। हर उस साधन का इस्तेमाल कीजिए जो बढ़े और लोगों तक पहुँचे। जब आप लोगों के बीच काम करें, हम नम्रता से आपके अधीन रहें। आप फ़सल के प्रभु हैं। पहले अपना आत्मा भेजिए, फिर मज़दूरों को, जो आत्मा के बोए हुए को काटें। हर घर प्रार्थना और आराधना का घर बने। यीशु के नाम में, आमीन।



प्रार्थना बिंदु

प्रार्थना करने के बाद हर तारे में रंग भरें



मसीह की देह और पवित्र आत्मा द्वारा जागृति प्रार्थना करें कि मसीह और पवित्र आत्मा सब जातियों में जागृति लाएँ। प्रार्थना करें कि मसीही विश्वासी पवित्र आत्मा की सामर्थ से प्रेम और नम्रता में काम करें।



सताव

विश्वासियों की सताव से सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें, और कि हर विरोध के बावजूद वे हिम्मत से सुसमाचार सुनाएँ।



बाइबल अनुवाद

प्रार्थना करें कि बाइबल का अनुवाद हो और सुसमाचार हर भाषा और संस्कृति में उपलब्ध हो।



बच्चे और युवा

प्रार्थना करें कि छोटे-बड़े सबकी यीशु से बहुत-सी मुलाकातें हों। प्रार्थना करें कि लोग स्वप्न और दर्शन देखें। प्रार्थना करें कि परमेश्वर का पवित्र आत्मा उंडेला जाए और लोग भविष्यवाणी करें, जिससे परमेश्वर के नाम की महिमा हो।



सफलता का मार्ग

रुकावटें टूटने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि वह सुसमाचार के बाँटे जाने और फैलने का रास्ता खोल दे।



प्रार्थना करते रहें:

भुला दिए गए, गरीब, बीमार और किनारे किए गए लोगों के लिए प्रार्थना करें; महिलाओं, लड़कियों और परिवारों के लिए कि परमेश्वर उन्हें सुरक्षा, चंगाई और सामर्थ दे, ताकि वे उसके प्रेम की गहराई, ऊँचाई और चौड़ाई को जानें। प्रार्थना करें कि वे यीशु में आशा और सुरक्षा पाएँ।

खोजी चुनौती:

अब आपकी बारी है... हिंदू लोगों के लिए नीचे एक प्रार्थना लिखें या चित्र बनाएँ

प्रार्थना के 5 वैश्विक दिन

सुसमाचार आंदोलनों, जागृति और बदलाव के लिए
संसार भर में आराधना और प्रार्थना



31 जनवरी

वैश्विक प्रार्थना दिवस
बौद्ध लोगों के लिए
(चीनी नव वर्ष)

29 अक्टूबर

वैश्विक प्रार्थना दिवस
हिंदू लोगों के लिए
(दिवाली)

5 मार्च

वैश्विक प्रार्थना दिवस
मुस्लिम लोगों के लिए
(शब-ए-क्रद)

11 अक्टूबर

वैश्विक प्रार्थना दिवस
यहूदी लोगों के लिए
(प्रायश्चित का दिन)

16 मई

वैश्विक प्रार्थना दिवस
संसार भर की कलीसिया के लिए
(पिन्तेकुस्त)



बेहतर कल के लिए आज प्रार्थना

www.iiocities.com

परमेश्वर के वचन से प्रार्थना संसार के लिए 365 दिन की पुस्तिका

मध्यस्थों के एक वैश्विक आंदोलन से जुड़ें जो नाम लेकर प्रार्थना करते हैं:
कार्यक्षेत्र के अगुवों, कलीसिया स्थापकों, बाइबल अनुवादकों,
महिला अगुवों, बाल सेवकाई के अगुवों और आंदोलन
के अगुवों के लिए - जब वे अपहुँच संसार के 110 प्रवेश-द्वार
शहरों में उसके नाम का प्रचार करते हैं।



साइन अप करें: [YouVersion बाइबल ऐप पर](#),
[iOS और Android पर उपलब्ध।](#)



B.L.E.S.S. कार्ड



प्रार्थना **केलिए 5**
हर दिन 5 मिनट निकालकर उन 5 लोगों के लिए
नाम लेकर प्रार्थना करें जिन्हें यीशु की ज़रूरत है

1	
2	
3	
4	
5	

तरीकों से प्रार्थना

- 1 पिता, उन्हें अपने पुत्र यीशु की ओर खींच (यूहन्ना 6:44)।
- 2 पिता, उनका आत्मिक अंधापन दूर कर ताकि वे सुसमाचार पर विश्वास करें (2 कुरि. 4:4; प्रेरि. 16:14)।
- 3 पिता, उन्हें मन फिराव का दान दे ताकि वे अपने पापों से फिरें (यूहन्ना 16:8; 2 तीमु. 2:25-26)।
- 4 पिता, मुझे उनके साथ सुसमाचार बाँटने के मौके और हिम्मत दे (कुलु. 4:3-4; प्रेरि. 4:29-31)।
- 5 पिता, कृपया उन्हें और उनके पूरे परिवार को उद्धार दे (प्रेरि. 16:31)।

यीशु को उनके साथ जीकर दिखाते हुए बाँटें

एक B.L.E.S.S. जीवनशैली

B प्रार्थना से शुरू करें | **L** उनकी बात सुनें | **E** उनके साथ खाना खाएँ
S उनकी सेवा करें | **S** उनके साथ यीशु को बाँटें



2 BILLION CHILDREN

CHILDREN HAVE THE POWER TO CHANGE THE WORLD!



There are over 2 Billion children in the world under the age of 15 years. More than 1 Billion live in Asia, and more than 500 Million live in Africa.

IMAGINE... ALL CHILDREN

HEARING

the voice of their
Heavenly Father

KNOWING

their identity
in Christ

EMPOWERED

by God's Spirit to
share His love



**GOD WANTS EVERY
CHILD TO BE A
WORLD CHANGER!**

WILL YOU JOIN US?!

INSPIRATION • TRAINING • CHAMPIONS! • PRAY

PROUD TO BE PARTNERING WITH:



The Great
Commission
Coalition



GLOBAL
VOICE OF PRAYER



GO MOVEMENT



4/14
movement



10 DAYS

हिमालय से समुद्र तक एक यात्रा

गंगा के किनारे प्रार्थना के 7 दिन

एक बड़ा संसार, 110 Cities, और एक अद्भुत यात्रा
हिंदू लोगों के लिए प्रार्थना की

2-8 नवंबर, 2026

इनके साथ साझेदारी में प्रकाशित:



YouVersion



IPC हर साल पाँच प्रार्थना पुस्तिकाओं की सामग्री लिखता और प्रकाशित करता है। हर पुस्तिका 30 भाषाओं में अनुवाद होकर संसार भर के लोगों और सहयोगी सेवकाइयों को दी जाती है। 10 करोड़ से अधिक यीशु के अनुयायियों ने इन मुफ्त संसाधनों का उपयोग करने का संकल्प लिया है।

यह संसाधन International Prayer Connect (IPC) ने लिखा और प्रकाशित किया है। इसे गैर-व्यावसायिक प्रार्थना, शिक्षा और सेवकाई के लिए मुफ्त में बाँटा जा सकता है। यदि आप इसका कोई भाग व्यावसायिक उद्देश्य के लिए छापना, बदलना या इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो कृपया अनुमति के लिए IPC से संपर्क करें।

International Prayer Connect (IPC) इस पुस्तिका में बताई गई बाहरी वेबसाइटों या दूसरे स्रोतों की सामग्री या जानकारी की सटीकता के लिए ज़िम्मेदार नहीं है।

लोगों की निजता और सुरक्षा के लिए नाम और कुछ पहचान वाली बातें बदल दी गई हैं।

इस संसाधन के सभी चित्रित पात्र काल्पनिक हैं और केवल समझाने के लिए बनाए गए हैं। वे असली व्यक्तियों को नहीं दिखाते, और जीवित या मृत किसी व्यक्ति से कोई भी समानता केवल संयोग है।

बाइबल उद्धरण: Indian Revised Version (IRV) Hindi – CC BY-SA 4.0.

International Prayer Connect (IPC), जिसे International Prayer Council भी कहते हैं, USA में पंजीकृत एक 501(c)(3) गैर-लाभकारी संस्था है। पंजीकृत कार्यालय का पता: 313 E. Wiser Lake Rd, Lynden WA, 98264, USA

www.ipeprayer.org